स्वच्छता समाचार

खंड 4 । अंक 32

हर घर तिरंगा
हर घर स्वच्छता

स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग

8 अगस्त से 15 अगस्त 2025

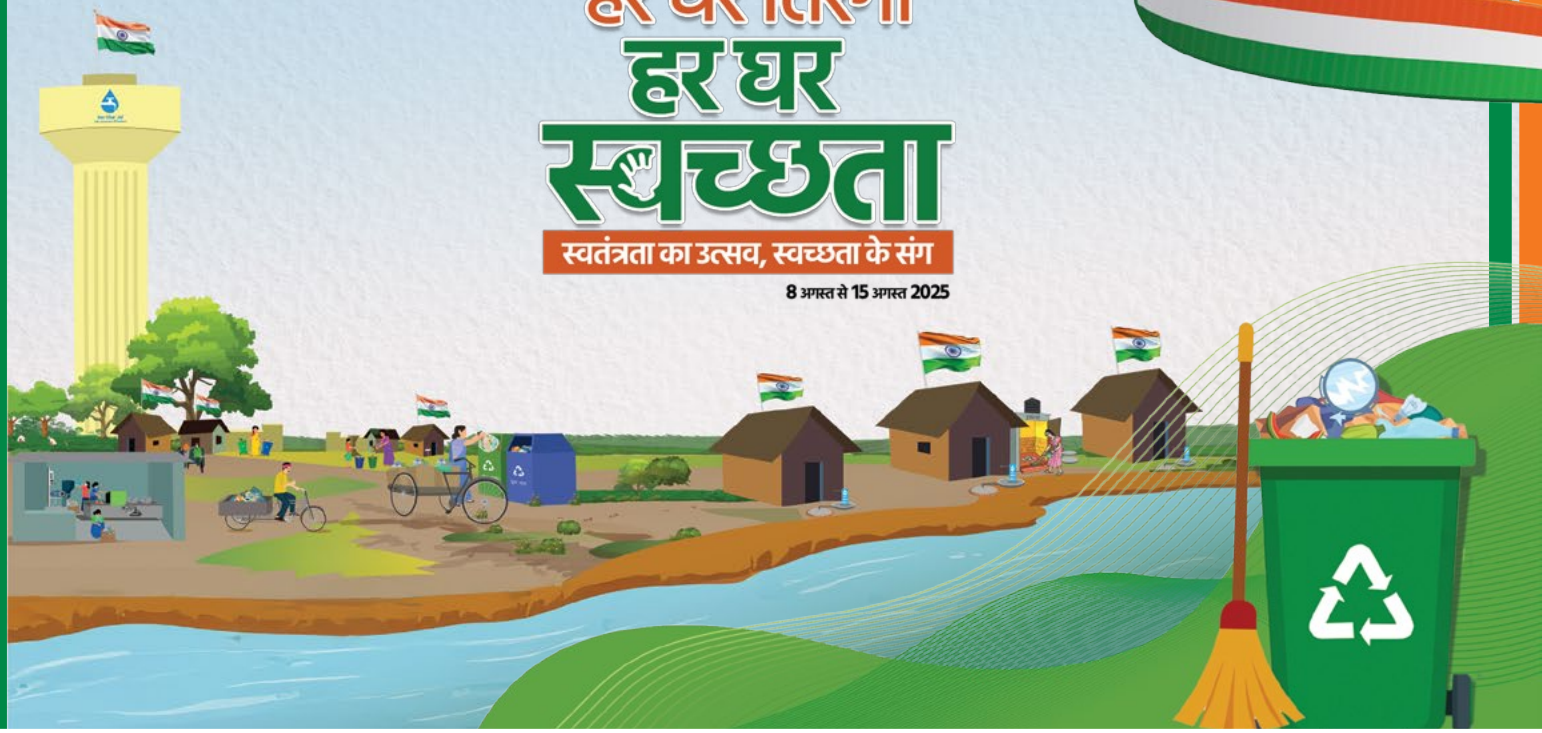

श्री सी. आर. पाटिल

केंद्रीय मंत्री की कलम से

SBM-G और JJM मिलकर हमें स्थायी स्वच्छता और जल सुरक्षा की दिशा में आगे ले जा रहे हैं। JJM के साथ, प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित नल से जल मिल रहा है, लेकिन इसके साथ SBM-G के तहत ग्रे-वाटर प्रबंधन की बढ़ी हुई जिम्मेदारी भी मिलती है। ODF Plus मॉडल केवल संख्याओं से संबंधित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण परिवारों के लिए जीवन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य और गरिमा से भी संबंधित है। आगे उन गांवों को आकार देना है जो जलवायु अनुकूलता, संसाधन प्रबंधन और नवाचार को एक करते हैं। जैसा कि हम JJM के तहत नल से जल की सेवा का विस्तार करते हैं, SBM-G प्रभावी ग्रे-वाटर प्रबंधन को सुनिश्चित करता है, और 'जल शक्ति अभियान- कैच द रेन' के साथ, जल सुरक्षा के लिए वर्षा जल संचयन हमारा सामूहिक कर्तव्य बन जाता है।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण पर गोलमेज सम्मेलन, नई दिल्ली

श्री वी. सोमण्णा

केंद्रीय राज्य मंत्री की कलम से

हमारे सरपंच और VWSC के सदस्य वास्तव में परिवर्तन के प्रतीक हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि सरकारी कार्यक्रम लोगों के जीवन में दृश्यमान सुधार लाएं हों। उनका नेतृत्व और समर्पण हमें स्वच्छ सुजल गांव के लक्ष्य की दिशा में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है, जो 'विकसित और जल समृद्ध भारत' की आधारशिला होगी।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम, 2025, नई दिल्ली

श्री अशोक के के मीना

सचिव की कलम से

सरपंच स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन की सबसे बड़ी ताकत हैं। मजबूत ग्राम नेतृत्व ने यह दिखाया है कि इरादे और प्रयास के साथ, हर घर में स्वच्छ जल, स्वच्छ शौचालय और उचित अपशिष्ट प्रबंधन हो सकता है। हमारा अगला लक्ष्य हर घर में नल जल के साथ स्वच्छ सुजल गांव है, ठोस और तरल कचरे का अच्छी तरह से प्रबंधन किया गया है, और ODF Plus मॉडल और हर घर जल प्रमाणन हासिल किया गया है। आपसे लिया गया सटीक और समयबद्ध डेटा बेहतर निगरानी और सुधार सुनिश्चित करेगा। पंचायतें राष्ट्र के लिए रोल मॉडल हैं, जो 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' को वास्तविकता प्रदान करती हैं।

श्री कमल किशोर सोन

अपर सचिव और मिशन निदेशक की कलम से

डैशबोर्ड को न केवल डेटा को प्रतिबिंबित करना चाहिए, बल्कि उसे जमीनी स्तर पर वास्तविकता को प्रतिबिंबित करने वाला एक मंच होना चाहिए। स्वच्छता कभी की नहीं जाती, बल्कि यह एक दैनिक आदत होती है। भविष्य में हमें संपत्ति बनाने, विश्वसनीय डेटा सुनिश्चित करने और समुदायों को जोड़ने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

SBM-G गोलमेज सम्मेलन

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

31 अगस्त 2025 तक

ODF PLUS MODEL

- भारत के **4.77 लाख** से अधिक (81% से अधिक) गांवों ने स्वयं को ODF Plus मॉडल घोषित किया है।
- **5.20 लाख** से अधिक गांवों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था है।
- **5.35 लाख** से अधिक गांवों में तरल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था है।
- **5100** से अधिक ब्लॉकों को कवर करते हुए **2,150** से अधिक ग्रामीण प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयां स्थापित की गईं।
- घर-घर कचरा संग्रह और परिवहन के लिए **6.40 लाख** से अधिक वाहन।
- **1,230** से अधिक पंजीकृत बायोगैस संयंत्र।
- **960** से अधिक कार्यशील बायोगैस संयंत्र।
- **76** पूर्ण बायोगैस संयंत्र।

पखवाड़ा गतिविधियाँ: अगस्त 2025

भारी उद्योग मंत्रालय
MINISTRY OF
HEAVY INDUSTRIES

लोक उद्यम विभाग
DEPARTMENT OF
PUBLIC ENTERPRISES

भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय

- HMT भवन के कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- HMT भवन परिसर के पिछवाड़े में सफाई और कचरा हटाना।
- HMT भवन के कर्मचारियों द्वारा धातु की सतह पर पौधे लगाना और पेंटिंग।
- HMT भवन के कर्मचारियों द्वारा कर्ब स्टोन की पेंटिंग।
- HMT भवन परिसर, बेंगलुरु में भूनिर्माण और लॉन का निर्माण।
- HMT भवन, गंगानगर बस स्टॉप, बेंगलुरु के सामने की ओर की परिसर की दीवार, बस स्टॉप और आसपास के क्षेत्रों की सफाई।
- BHEL दिल्ली कार्यालय में वर्कस्टेशन, फाइलिंग कैबिनेट और दराजों की सफाई की गई और पुराने और अप्रासंगिक रिकॉर्ड को हटा दिया गया।
- स्वच्छता पखवाड़ा 2025 की शपथ HMT भवन और सहायक व्यवसाय प्रभाग, बेंगलुरु और HMT मशीन टूल्स लिमिटेड, कलामसेरी में भी दिलायी गई।
- SCT लैब भेल-आर और डी हैदराबाद कार्य स्थल में सफाई की गई है।
- BHEL भोपाल इकाई प्रमुख ने DRO और कर्मचारियों के साथ शपथ ग्रहण की। इसके अलावा, एच.पी.ई.पी. हैदराबाद, BAP रानीपेट, BHEL त्रिची और RD हैदराबाद इकाई के प्रमुख भी DRO के साथ थे।

अगस्त 2025 में स्वच्छता पखवाड़ा संबंधी जमीनी कार्रवाई के चित्र

जल शक्ति मंत्रालय ने स्वस्थ, आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण में सरपंचों की भूमिका को मान्यता देते हुए एक विशेष बातचीत के लिए उनकी मेजबानी की

14 अगस्त 2025 को, भारत ने अपना 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने से ठीक एक दिन पहले, केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमण्णा के साथ विशेष बातचीत के लिए देश भर के 150 से अधिक सरपंच नई दिल्ली में एक साथ आए।

जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य जमीनी स्तर के नेतृत्व का सम्मान करना और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), जल जीवन मिशन और जल शक्ति अभियान जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में ग्राम पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करना है।

सभा को संबोधित करते हुए, श्री वी. सोमण्णा ने सरपंचों को "सच्चे परिवर्तनकारी" कहा, और ग्रामीण परिवारों में स्वच्छ जल, स्वच्छता और सामुदायिक विकास लाने में उनके नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने यह सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका के महत्व को रेखांकित किया कि प्रमुख सरकारी मिशन जमीनी स्तर पर दृश्यमान परिणामों में परिवर्तित हों।

इस अवसर पर जल संसाधन और गंगा संरक्षण विभाग की सचिव श्रीमती देबाश्री मुखर्जी और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव श्री अशोक के. के. मीणा भी उपस्थित थे, जिन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे स्थानीय नेता भूजल संकट को कम करने, स्वच्छता प्रणालियों को मजबूत करने और स्वच्छ सुजल गांव और हर घर जल के तहत विकास के अगले चरण को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं।

गुजरात, मध्य प्रदेश, केरल, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के सरपंचों ने अपने गांवों में वर्षा जल संचयन और अपशिष्ट प्रबंधन से लेकर स्वच्छता और साफ-सफाई के लिए सामुदायिक अभियानों के लिए अपनाई गई नवीन परिपाटियों को प्रस्तुत किया। इन कहानियों ने भारत के ग्रामीण परिदृश्य की विविधता को दर्शाया और यह बताया कि कैसे प्रत्येक गांव राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाते हुए अपने स्वयं के समाधान ढूंढ रहा है।

इस कार्यक्रम में जल जीवन मिशन, नमामि गंगे, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और अन्य प्रमुख पहलों पर लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग भी शामिल थी, जो देश भर में इन कार्यक्रमों के स्तर और प्रभाव की एक झलक पेश करती है।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता: देशभक्ति को स्वच्छता और स्थिरता से जोड़ना

जैसे ही राष्ट्र ने स्वतंत्रता दिवस 2025 का उत्सव मनाया, ठीक उसी समय संस्कृति मंत्रालय के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान ने नागरिकों को गर्व से तिरंगा प्रदर्शित करने और राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए प्रेरित किया। इस वर्ष, DDWS द्वारा समन्वित हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता पहल के माध्यम से अभियान को गहरा अर्थ दिया गया था। इस प्रयास में देशभक्ति के गौरव को स्वच्छता, साफ-सफाई, सुरक्षित पानी और SBM-G और JJM के तहत सामुदायिक कार्रवाई के मूल्यों से जोड़ने की मांग की गई है।

एकीकृत अभियान ने नागरिकों को न केवल राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित किया, बल्कि अपने आस-पास, जल स्रोतों और स्वच्छता संबंधी सुविधाओं के रखरखाव में भी योगदान दिया।

यह अभियान 1 अगस्त को जागरूकता प्रसार के साथ चरणबद्ध तरीके से आयोजित किया गया और 8-15 अगस्त तक, देश भर में सामुदायिक सफाई अभियान और वॉश बुनियादी ढांचे के सौंदर्यीकरण से लेकर स्वच्छ सुजल गांव प्रतिज्ञाओं और जागरूकता कार्यक्रम संबंधी गतिविधियों की एक श्रृंखला भी आयोजित की गई।

संसूचित प्रगति

- **5.86 लाख गांवों में से** 3.21 लाख गांवों ने अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- **1.5 लाख से अधिक** वॉश साइटों (देशभक्ति की थीम के साथ साफ किया गया, सुशोभित किया गया और सजाया गया)।
- वॉश बुनियादी ढांचा स्थलों पर **2.3 लाख से अधिक** ध्वजारोहण किए गए।
- स्वच्छता संवाद और जागरूकता गतिविधियों में **2.27 लाख से अधिक** लोगों ने भाग लिया।
- **2,06620** लोगों ने वॉश बुनियादी ढांचे की स्वच्छता गतिविधियों में भाग लिया।
- स्वच्छ सुजल गांव प्रतिज्ञा में **2.6 करोड़ से अधिक** लोगों ने भाग लिया।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

DDWS ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्टॉप डायरिया अभियान 2025 में सहभाग किया

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) ने 20 जून से 31 जुलाई, 2025 तक स्टॉप डायरिया अभियान की एक राष्ट्रव्यापी पहल का नेतृत्व किया। इस अभियान का उद्देश्य डायरिया के कारण होने वाली बच्चों की मृत्यु को रोकना था।

इस अभियान को DDWS द्वारा अपनी "स्वच्छ गांव, शुद्ध जल बेहतर कल" पहल के माध्यम से समर्थित किया गया था। यह अभियान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अभियान लक्ष्यों के अनुरूप ग्राम और पंचायत स्तर पर सुरक्षित जल और स्वच्छता परिपाटियों को बढ़ावा देने पर केंद्रित था।

DDWS का अभियान निम्नलिखित पर केंद्रित था:

- सामुदायिक स्थानों में प्रदर्शित परिणामों के साथ फील्ड टेस्ट किट (FTKs) का उपयोग करके जल गुणवत्ता परीक्षण को बढ़ावा देना।
- वर्षा जल संचयन और ग्रे-वाटर प्रबंधन को बढ़ावा देने को प्रोत्साहित करना।
- संदूषण को रोकने के लिए लीकेज का पता लगाने और मरम्मत के लिए अभियान चलाना।
- व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों (IHHL) और सामुदायिक स्वच्छता परिसरों (CSC) के निर्माण और मरम्मत के लिए विशेष अभियान।
- स्थानीय अधिकारियों और समुदायों के लिए संवेदनात्मक कार्यशालाओं का आयोजन।

राष्ट्रव्यापी प्रभाव:

- आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों और सामुदायिक केंद्रों में 2.75 लाख से अधिक जल गुणवत्ता परीक्षण किए गए।
- अधिकारियों और समुदाय के सदस्यों के लिए 11,000 से अधिक प्रशिक्षण सत्र।
- 32,000 से अधिक IEC कार्यक्रम और 27,000+ जन जागरूकता अभियान।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के नेतृत्व में और DDWS द्वारा समर्थित स्टॉप डायरिया अभियान 2025 ने स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रयासों के सफल सामंजस्य का प्रदर्शन किया।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

प्लास्टिक मुक्त भविष्य की ओर यूपी के रघुनाथपुर का सफर

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में घोरावल प्रखंड के अंतर्गत आने वाली रघुनाथपुर ग्राम पंचायत स्थानीय नेतृत्व की मिसाल कायम कर रही है। ग्राम प्रधान श्री परमेश्वर पाल के नेतृत्व में, पंचायत ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक समुदाय-संचालित पहल शुरू की है कि गांव भविष्य में प्लास्टिक मुक्त गांव बनने की दिशा में ठोस कदम उठाएं।

हर सुबह 7:00 बजे, प्रधान खुद घर-घर जाकर प्लास्टिक कचरा इकट्ठा करने के लिए गांव की गलियों में ई-रिक्शा चलाते हैं। उदाहरण देकर नेतृत्व करने के इस कार्य ने यह प्रदर्शित किया है कि कैसे जमीनी स्तर का नेतृत्व स्वच्छ भारत और एक विकसित भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण में प्रत्यक्ष योगदान दे सकता है।

रघुनाथपुर में लगभग 2,500 की आबादी वाली 580 परिवार हैं। इस पहल की शुरुआत सामुदायिक बैठकों से हुई, जिसके बाद घरों में संग्रह बोरियों का वितरण किया गया। परिवार धीरे-धीरे अपने प्लास्टिक कचरे को अलग करके सीधे ई-रिक्शा में जमा करके इस प्रयास में शामिल हो गए।

एकत्र किए गए प्लास्टिक को एक रिसोर्स रिकवरी सेंटर में ले जाया जाता है, जहां पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को स्क्रैप डीलरों को बेचा जाता है, जिससे पंचायत को अब तक 2,000 रुपये से अधिक की अतिरिक्त आय हुई है। गैर-पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक का सुरक्षित रूप से निपटान किया जाता है।

अब तक का सफर मुश्किलों से रहित नहीं था। कुछ निवासियों ने शुरू में विरोध किया, यहां तक कि संग्रह बोरियों को भी त्याग दिया। हालांकि, लगातार संवाद और जागरूकता अभियानों के साथ, विश्वास का निर्माण हुआ है। आज ग्रामीणों का इस अभियान में सक्रिय योगदान है। इस प्रयास के माध्यम से।

- **अब तक 200 किलोग्राम से अधिक प्लास्टिक कचरा एकत्र किया जा चुका है।**
- **300 से अधिक परिवार सक्रिय रूप से प्लास्टिक को अलग कर रहे हैं और जिम्मेदारी से प्लास्टिक का निपटान कर रहे हैं।**

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने के लिए भारत भर से 85 ग्राम सरपंचों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया

देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए, भारत सरकार ने 26 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के 85 सरपंचों को विशेष अतिथि के रूप में ऐतिहासिक लाल किले के समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। इस कदम ने जमीनी स्तर के नेताओं को सम्मानित किया, जिन्होंने यह सुनिश्चित करके ग्रामीण शासन को बदल दिया है कि उनके गांवों को स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत ODF Plus घोषित किया गया और जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर जल' के रूप में प्रमाणित किया गया। उनकी उपस्थिति समुदाय, महिला के नेतृत्व की शक्ति और पर्यावरण की दृष्टि से सतत विकास की शक्ति को दर्शाती है।

आमंत्रित लोगों में उल्लेखनीय नेता भी शामिल थे जिन्होंने अपने गांवों को प्रगति के मॉडल में बदल दिया है। बिहार में, प्रेमा देवी ने गोबरधन योजना का नेतृत्व करने में मोतीपुर ग्राम पंचायत का नेतृत्व किया है, जहां जैविक कचरे को बायोगैस और खाद में परिवर्तित किया जाता है, जिससे महिलाओं के लिए कठिन परिश्रम को कम करते हुए आजीविका को बढ़ावा मिलता है। राजस्थान की कुसुम सिंह ने राराह को राज्य की पहली डिजिटल रूप से सक्षम ग्राम पंचायत में बदल दिया है, जिसमें डिजिटल पुस्तकालयों और सौर ऊर्जा से लेकर सार्वभौमिक नल जल आपूर्ति और यहां तक कि एक ग्रामीण एस्ट्रो लैब तक की पहल की गई है। गुजरात में, शशिकांत भूपेंद्रभाई पटेल ने राज्य के पहले ब्रेल-सक्षम सामुदायिक शौचालय जैसे समावेशी नवाचारों के साथ स्वच्छता और सुरक्षित जल को एकीकृत किया है, साथ ही नवजात लड़कियों के परिवारों के लिए प्रोत्साहन के माध्यम से लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया है। महाराष्ट्र से, दीपाली उत्तम चौगुले ने यह सुनिश्चित किया है कि निगवे दुमाला के हर घर में शौचालय उपलब्ध है, जबकि अपशिष्ट पृथक्करण, खाद बनाने और पुनर्चक्रण की एक मॉडल प्रणाली को लागू किया गया है, जिसने जिला स्तर पर प्रशंसा अर्जित की है।

लाल किले पर इन सरपंचों की मान्यता गांवों को स्वस्थ, स्वच्छ और अधिक समावेशी बनाने में उनके अग्रणी प्रयासों के लिए एक श्रद्धांजलि है। उनका काम इस बात को रेखांकित करता है कि कैसे स्वच्छ भारत और जल जीवन मिशन के विजन को जमीनी स्तर पर साकार किया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस से पहले, इस भावना को संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के नेतृत्व में 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' अभियान के माध्यम से भी आगे बढ़ाया जा रहा है, जो हर घर के लिए सुरक्षित जल और स्वच्छता के वादे के साथ राष्ट्रीय गौरव का जश्न मनाता है।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने के लिए बिहार के 4 ग्राम सरपंचों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया

भारत ने अपने 79वें स्वतंत्रता दिवस को मनाते हुए, बिहार के चार सरपंचों को नई दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में समारोह देखने के लिए विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। उनके चयन ने उन ग्राम पंचायतों को सम्मानित किया जिन्हें स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत ODF Plus घोषित किया गया है और जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर जल' प्रमाणित किया गया है।

उनमें समस्तीपुर की मोतीपुर ग्राम पंचायत की मुखिया प्रेमा देवी भी शामिल थीं, जिनके नेतृत्व ने गोबरधन योजना के माध्यम से गांव को अपशिष्ट से ऊर्जा में अग्रणी बना दिया है, जिससे 130 से अधिक परिवारों और स्कूलों को बायोगैस से लाभ हुआ है, साथ ही खाद की बिक्री के माध्यम से राजस्व भी उत्पन्न हुआ है। वर्षा जल संचयन, सोख्ता गड्ढों और ग्रे-वाटर जल प्रबंधन में उनकी पहल ने भूजल पुनर्भरण को मजबूत किया है, स्वास्थ्य में सुधार किया है और महिलाओं के लिए कठिन परिश्रम को कम किया है। उन्हें नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्रामसभा पुरस्कार और क्लाइमेट एक्शन स्पेशल अवार्ड सहित कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय सम्मान मिले हैं।

उनके साथ सिस्वानिया (पश्चिम चंपारण) के कन्हैया प्रसाद कुशवाहा भी शामिल हुए, जिन्होंने अपनी पंचायत को संगीत संचालित स्वच्छता अभियानों और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए स्वच्छता पार्क के साथ एक क्षेत्रीय मॉडल में बदल दिया; राघोपुर (भागलपुर) के मनोज कुमार मंडल, जिन्होंने जीविका दीदियों और स्वयं सहायता समूहों को स्वच्छता चौपालों और स्वास्थ्य अभियानों में भाग लेने के लिए लामबंद किया; और करसाघाट (गोपालगंज) के ब्रजेश कुमार, जिन्होंने जल निकासी और स्वच्छता में सुधार करते हुए "गोपाली कंपोस्ट" का उत्पादन करने के लिए NADPE कंपोस्टिंग विधि की शुरुआत की।

लाल किले में उनकी मान्यता समुदाय के नेतृत्व वाले ग्रामीण परिवर्तन का एक शक्तिशाली प्रमाण है, जहां स्वच्छ जल, सावधानीपूर्वक स्वच्छता और स्थिरता प्रगति को आगे बढ़ा रही है।

उत्कृष्ट अपशिष्ट प्रबंधन के बूते मुखिया को मिला विशिष्ट आमंत्रण

- लाल किले पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में आमंत्रित 26 राज्यों के 85 पंचायत प्रतिनिधियों में गोपालगंज के करसघाट के मुखिया भी शामिल
- मिशन मोड में जवाबदेहियां पूरा करने की सीख सेना से मिली, एयरफोर्स में सार्जेंट थे ब्रजेश, मुखिया पिता के निधन के बाद लौटे गांव

जासं, गोपालगंज : जिले के सिधवलिया प्रखंड की करसघाट पंचायत के मुखिया ब्रजेश कुमार उर्फ मुन्ना कुंवर इस वर्ष 15 अगस्त को दिल्ली के लाल किले पर आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह में शामिल होंगे। उन्हें यह विशिष्ट आमंत्रण उत्कृष्ट अपशिष्ट प्रबंधन के कारण मिला है। वह देश के 26 राज्यों के उन 85 पंचायत प्रतिनिधियों में शामिल हैं, जिन्होंने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और जल जीवन मिशन के तहत उत्कृष्ट कार्य कर दिखाए हैं। करसघाट पंचायत की अच्छी छवि के कारण ही इस वर्ष चार फरवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वहां का दौरा किया था।

ब्रजेश को जवाबदेहियां मिशन मोड में ईमानदारी से पूरा करने सीख

ब्रजेश कुमार • जागरण

सेना से मिली। वह एयरफोर्स में सार्जेंट थे। पोस्टिंग गुजरात के जामनगर में थी। पिता रामेश्वर कुंवर भी 2006 से 2011 तक मुखिया थे। उनका निधन हो गया तो वह पिता की विरासत संभालने व समाज सेवा के लिए वायु सेना से वीआरएस लेकर गांव लौट आए। 2016 में मां उमरावती कुंवर को मुखिया का चुनाव लड़ाया। वह जीत गईं तो ब्रजेश ने मुखिया प्रतिनिधि के रूप में कार्य करना शुरू किया। धीरे-धीरे पंचायत की तस्वीर बदलने लगी। वर्ष 2021 में वह स्वयं चुनाव लड़े और मुखिया चुन लिए गए। इसके बाद पंचायत में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन में अनूठी पहल की। 'नेपेड कम्पोस्टिंग' विधि से गोपाली कम्पोस्ट का उत्पादन शुरू किया। यह प्रमाणिक और उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद है। इस पहल ने न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया, बल्कि पंचायत के लिए स्थाई आय का स्रोत भी तैयार किया। करसघाट पंचायत को स्वच्छ रखने को नालियों और सोख्ता के निर्माण कराए। घर-घर शौचालय निर्माण व उपयोग को प्रेरित कर पंचायत को ओडीएफ प्लस का दर्जा दिलाया। जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत पंचायत में बड़े तालाब का निर्माण, पौधारोपण सहित कई कार्य किए। उन्होंने बताया कि वह पंचायत में दो ओपन जिम, पांच सौ मीटर का रनिंग ट्रैक, पुस्तकालय भी बनवा चुके हैं।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने के लिए मध्य प्रदेश के 4 ग्राम सरपंचों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया

भारत ने अपने 79वें स्वतंत्रता दिवस को मनाते हुए, मध्य प्रदेश के चार सरपंचों को नई दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया, जो स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत ODF Plus और जल जीवन मिशन के तहत प्रमाणित 'हर घर जल' ग्राम पंचायतों को मान्यता देता है। वे उन 85 सरपंचों में से थे, जिन्हें ग्रामीण परिवर्तन को आगे बढ़ाने वाले जमीनी स्तर के नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने के लिए देश भर में चुना गया था।

उनमें से उज्जैन की 21 वर्षीय लक्षिका डागेर भी थीं, जो राज्य की सबसे कम उम्र की सरपंच हैं, जिन्होंने SHG के माध्यम से व्यवस्थित जल निकासी, कचरा संग्रह और महिला सशक्तिकरण का बीड़ा उठाया है, साथ ही एक नई आंगनवाड़ी भी स्थापित की है। उन्हें व्यापक रूप से भारत के सबसे होनहार जमीनी स्तर के नेताओं में से एक के रूप में पहचाना जाता है। उनके साथ तिर्ला (धार) की आरती पटेल भी शामिल हुईं, जिन्होंने संगठित डोर-टू-डोर कचरा संग्रह की शुरुआत की; पुरा बनवार (ग्वालियर) की नीतू परिहार, जिन्होंने एनएडीईपी पिट, ड्रेनेज, डिजिटलीकरण के माध्यम से ODF Plus मॉडल हासिल किया और उन्हें भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया; और छिंदवाड़ा की कविता धुर्वे, जिन्होंने शौचालय निर्माण अभियान, प्लास्टिक-मुक्त संकल्प, अपशिष्ट-से-संसाधन नवाचारों और विश्वसनीय नल से जल पहुंच का नेतृत्व किया।

लाल किले में उनकी उपस्थिति मध्य प्रदेश के प्रेरक जमीनी स्तर के परिवर्तनकारियों के लिए एक श्रद्धांजलि है, जो यह दर्शाती है कि कैसे महिलाओं के नेतृत्व में, समुदाय-संचालित प्रयास स्वच्छ भारत और जल जीवन के दोहरे मिशनों के तहत स्वच्छ, स्वस्थ और अधिक टिकाऊ गांवों का निर्माण कर रहे हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
हिन्दुस्तान एक्सप्रेस
भोपाल, रविवार 17 अगस्त 2025

मध्य प्रदेश के 4 गाँवों के सरपंचों को लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में किया गया आमंत्रित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
भोपाल। देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, भारत सरकार ने ग्रामीण भारत में बदलाव लाने वाले जमीनी स्तर के प्रमुखों को सम्मानित करने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाया। मध्य प्रदेश के लिए यह गर्व का पल रहा कि राज्य के चार गाँवों के सरपंचों ने नई दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह का साक्षी बनने के लिए विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

ये सरपंच उन शीर्ष प्रदर्शन करने वाले ... के चिंतामन जवासिया के पटेल मोहल्ला से हैं। मात्र 21 वर्ष की उम्र में वे मध्य प्रदेश की सबसे कम उम्र की चुनी हुई सरपंच बनीं और जमीनी स्तर के नेतृत्व की नई परिभाषा गढ़ी। सिर्फ दो साल से थोड़े अधिक समय में, उनकी पंचायत ने न सिर्फ अपना ओडीएफ दर्जा बनाए रखा, बल्कि एसबीएम-जी के तहत ओडीएफ प्लस प्रमाणन भी हासिल किया, जो सतत स्वच्छता प्रथाओं और ठोस कचरा प्रबंधन को दर्शाता है। बहते हुए नाले और ठहरे हुए पानी की जगह अब व्यवस्थित जल निकासी ... संभावनाशील जमीनी नेताओं में से एक के रूप में पहचाना गया।

उनके साथ मध्य प्रदेश के तीन अन्य जमीनी बदलाव लाने वाले प्रमुख भी शामिल हैं, जिन्होंने एसबीएम-जी के तहत महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उनके साथ मध्य प्रदेश के तीन अन्य जमीनी बदलाव लाने वाले प्रमुख भी शामिल रहे, जिन्होंने एसबीएम-जी के तहत महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

धार जिले की तिरला ग्राम पंचायत में श्रीमती आरती पटेल ने पंचायत स्तर पर डीजल चालित वाहन की व्यवस्था कर घर-घर कचरा संग्रह प्रणाली शुरू ...

नईदुनिया

मध्य प्रदेश के 4 गांवों के सरपंचों को लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में किया गया आमंत्रित

दिल्ली में विशेष सम्मान, लौटने पर स्वागत

इंदौर @ पत्रिका. मध्यप्रदेश के चार गांवों के सरपंचों को नई दिल्ली के लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह का साक्षी बनने के लिए विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

ये सरपंच उन ग्राम पंचायतों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (एसबीएमजी) के तहत ओडीएफ प्लस घोषित किया गया है और जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल प्रमाणित किया गया है। खास बात यह है कि सभी महिला सरपंच हैं। अब यहां शहर में इनका विभिन्न महिला संगठनों की ओर से स्वागत व सम्मान किया जाएगा। इनमें लक्षिका डागर उज्जैन के चिंतामन जवासिया के पटेल मोहल्ला से हैं। मात्र 21 वर्ष की उम्र में वे मध्य प्रदेश की सबसे कम उम्र की चुनी हुई सरपंच बनीं। इसी तरह धार जिले की तिरला ग्राम पंचायत में आरती पटेल ने पंचायत स्तर पर डीजल चालित वाहन की व्यवस्था कर घर-घर कचरा संग्रह प्रणाली शुरू की, जिससे नियमित और सुरक्षित कचरा निपटान सुनिश्चित हुआ। इसी तरह ग्वालियर की पुरा बनवार ग्राम पंचायत की सरपंच नीतू परिहार और ग्राम पंचायत छिंदवाड़ा की सरपंच कविता धुर्वे ने भी कई नवाचार किए हैं। महिला संगठनों की पदाधिकारी एक मंच पर इनके सम्मान की तैयारियों में जुटी हुई हैं।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने के लिए राजस्थान के 3 ग्राम सरपंचों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया

भारत ने अपने 79वें स्वतंत्रता दिवस को मनाते हुए ऐतिहासिक लाल किले में आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए राजस्थान के तीन सरपंचों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। उनकी मान्यता ने स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत ODF Plus और जल जीवन मिशन के तहत प्रमाणित 'हर घर जल' प्रमाणित ग्राम पंचायतों को सम्मानित किया, जो स्वच्छता, सुरक्षित जल और सतत विकास में जमीनी स्तर के नेतृत्व को दर्शाता है।

उनमें से राराह (भरतपुर) की कुसुम सिंह भी थीं, जिन्होंने हर घर के लिए नल के पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए डिजिटल लाइब्रेरी, सौर ऊर्जा, CCTV और यहां तक कि एक ग्रामीण एस्ट्रो लैब जैसे नवाचारों के साथ अपनी पंचायत को जिले में पहली डिजिटल रूप से सक्षम और ODF Plus पंचायत बनाया। उनके साथ चली (जोधपुर) के गीता देवी मोहनराम पटेल भी थे, एक युवा नेता जिसने 3 किलोमीटर की पाइपलाइन के माध्यम से पेयजल सुरक्षित किया, एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया, अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली शुरू की, सामुदायिक बुनियादी ढांचे का निर्माण किया और कई स्वच्छता पुरस्कार जीते। गडेपन (कोटा) की रेखा बाई को भी आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने स्वच्छता अभियान, स्वच्छता बुनियादी ढांचे, जल संरक्षण और मनरेगा के तहत ग्रामीण विकास परियोजनाओं को चलाया है, जिन्हें स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत मान्यता मिली है।

लाल किले पर उनकी उपस्थिति महिलाओं के नेतृत्व वाले ग्रामीण परिवर्तन की भावना को उजागर करती है और यह दिखाती है कि कैसे राजस्थान के गांव स्वच्छ भारत और जल जीवन मिशन के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए नवाचार, समावेश और सततता का संयोजन कर रहे हैं।

NDTV

लाल किले पर बजेगा राजस्थान की सरपंच का डंका, 15 अगस्त को होगा भरतपुर की कुसुम सिंह का सम्मान

राजस्थान के 3 सरपंच बनीं लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि

गीतादेवी ने नवाचारों को दी प्राथमिकता

रेखाबाई ने लीक से हटकर किए काम

दैनिक भास्कर जयपुर 15-08-2025

15 अगस्त शासन-प्रशासन

79वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं... जयपुर, शुक्रवार 15 अगस्त, 2025 | 12

स्वतंत्रता दिवस समारोह • उल्लेखनीय काम करने वाली 3 सरपंचों का किया गया चयन

देशभर से 85 और राजस्थान की 3 सरपंच लालकिला समारोह में विशेष अतिथि होंगे

पॉलिटिकल रिपोर्टर | जयपुर

लाल किले पर होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में देशभर के 85 और राजस्थान के 3 सरपंच विशेष अतिथि होंगे। अपने क्षेत्र में कार्य की मिसाल कायम करने वाले ऐसे सरपंचों को केंद्र सरकार की ओर से चयन किया गया है, इनमें राजस्थान की तीनों सरपंच महिला हैं।

यह आमंत्रण ग्रामीण भारत में परिवर्तनकारी बदलाव लाने वाले जमीनी स्तर के नेताओं को सम्मानित करने की केंद्र की परंपरा का हिस्सा है। ऐसी पंचायतें, जिन्हें स्वच्छ भारत मिशन, ग्रामीण

मिसाल कायम करने वाले सरपंचों को केंद्र सरकार की ओर से चयन

एमएससी नर्सिंग में स्नातकोत्तर सरपंच कुसुम के विजन से प्रदेश की पहली डिजिटल सक्षम ग्राम पंचायत बनी। ब्लॉक की पहली ओडीएफ प्लस ग्राम पंचायत और जिले की पहली ओडीएफ प्लस ग्राम पंचायत बनी। आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण और तकनीकी समावेशन पर काम किया।
– कुसुम सिंह, सरपंच, राराह ग्राम पंचायत, डीग

फैशन डिजाइनिंग में बीएससी। जेजेएम में 3 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछवा स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित कराया।

स्वच्छता का बुनियादी ढांचा तैयार किया, स्ट्रीट लाइट लगवाई व जल संरक्षण

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

सुविधा - एक ग्रामीण स्वच्छता मॉडल जो समय की कसौटी पर खरा उतरा है।

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के आकांक्षी शहर राजम में, एक शांत लेकिन प्रभावशाली स्वच्छता पहल दो दशकों से अधिक समय से सफलतापूर्वक चल रही है। "सतत स्वच्छता" जैसे शब्द विकास शब्दावली का हिस्सा बनने से बहुत पहले, GMR समूह की CSR शाखा, GMR वरलक्ष्मी फाउंडेशन (GMRVF) ने ग्रामीण सार्वजनिक शौचालयों के लिए एक अभिनव समुदाय-उन्मुखी दृष्टिकोण शुरू किया। सुविधा शौचालय परिसरों के रूप में जानी जाने वाली, ये सुविधाएं सामर्थ्य, सामुदायिक स्वामित्व और कुशल प्रबंधन को जोड़ती हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे साल-दर-साल स्वच्छ, कार्यशील और स्थानीय जरूरतों के लिए प्रासंगिक बने रहें।

सुविधा शौचालय परिसर दो दशकों से अधिक समय से चालू है और इसने SBM-G के उद्देश्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

1998 में एक शौचालय से शहर-व्यापी नेटवर्क तक

पहला सुविधा सार्वजनिक शौचालय 1998 में बनाया गया था। इन वर्षों में, नेटवर्क का विस्तार 11 शौचालय परिसरों तक हुआ, आठ राजम नगर पालिका में और तीन आसपास के गांवों में जो स्थायी निवासियों और कभी-कभार आने वाले आगंतुकों, दोनों की सेवा करते हैं। आज रोजाना 2,000 से ज्यादा लोग इन शौचालयों का इस्तेमाल करते हैं। सुविधा मॉडल की विशेषता एक मासिक परिवार कार्ड प्रणाली है। केवल 30 रुपये प्रति माह के लिए, एक परिवार एक कार्ड प्राप्त कर सकता है जिससे अधिकतम चार सदस्य बिना किसी अतिरिक्त लागत के शौचालय का उपयोग कर सकते हैं। अस्थायी आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए, GMRVF राजम बस स्टैंड पर एक पे-एंड-यूज शौचालय परिसर भी संचालित करता है। यह सुविधा उन यात्रियों, आगंतुकों और बाजार जाने वाले लोगों के लिए है - जिन लोगों के पास परिवार कार्ड नहीं होता है, लेकिन फिर भी उन्हें शहर में स्वच्छ, सुरक्षित स्वच्छता की आवश्यकता होती है। परिवार कार्ड शुल्क और पे एंड यूज सर्विस से प्राप्त राजस्व का उपयोग रखरखाव, सफाई संबंधी उपकरणों, उपयोगिताओं आदि के लिए किया जाता है। राजम के सुविधा मॉडल की सफलता के आधार पर, GMRVF ने अपनी स्वच्छता सुविधाओं को अन्य स्थानों तक भी पहुंचाया है।

राजम के सुविधा शौचालय यह दर्शाते हैं कि ग्रामीण स्वच्छता बुनियादी ढांचा समुदाय के अनुकूल और प्रभार्य आधार पर चल सकता है। इस मॉडल को LHI ढांचे के तहत एक सर्वोत्तम परिपाटी के रूप में जोड़ा गया है, जो LHI पहल शुरू होने से बहुत पहले से सफलतापूर्वक काम कर रहा है - जिससे यह स्थायी स्वच्छता समाधानों में पहले से ही अग्रणी बन गया है।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

स्वच्छ सर्च

नीचे दी गई क्रॉसवर्ड पहेली को पूरा करें

S	T	O	R	G	O	B	A	R	D	H	A	N	C
S	N	D	H	U	D	I	G	N	I	T	Y	P	A
E	O	C	E	A	R	G	A	C	T	S	N	L	R
N	I	O	L	L	D	A	S	P	E	R	A	A	E
I	T	N	E	M	O	W	L	P	L	S	T	S	C
L	A	Y	G	H	L	Y	N	L	I	L	A	T	Y
N	T	W	N	S	A	D	U	O	O	U	Y	I	C
A	I	A	O	A	C	A	N	G	T	D	A	C	L
E	N	S	L	W	E	I	R	Y	H	G	H	B	E
L	A	T	S	S	A	G	O	H	H	E	C	I	O
C	S	E	D	I	F	S	C	N	R	R	N	O	O
S	E	G	R	E	G	A	T	I	O	N	A	G	D
T	D	L	C	O	W	I	L	A	I	I	P	A	F
O	G	S	S	S	C	O	M	P	O	S	T	S	O

Hints: Gobardhan, Dignity, Compost ODF, Plastic biogas, Segregation Waste, Cleanliness, Sanitation

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता समाचार के अगले अंक में योगदान करने के लिए,
हर महीने की 15 तारीख से पहले अपने विचार साझा करें sbmiec.ddws@gmail.com

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

विशेष सचिव का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार।

चौथी मंजिल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, CGO कॉम्प्लेक्स
लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003
फ़ोन: 011-24362192 | ईमेल: js-sbm@gov.in